# अपनी बिरज, अपनी भासा

# बिरज भासा पतरिका

**अक्टूम्बर ते दिसम्बर-2019**

nirmaan
empowering communities

## सुविचार

1 छोटी-छोटी बातन्नै दिल में रखबे ते बड़े-बड़े रिस्ते कमजोर है जामें।

2 अंधेरे ते मत डरौ सितारे अंधेरे में ही चमकैं।

3 जाके ढिंग धीरज,सबर है, बू जो चाहे बो पा सकै।

4 बड़ो आदमी बू है जो अपने ढिंग बैठे मांइस ए छोटौ महसूस हैबे ना दैबे।

**तईयार करबे बारे:-**

जगदीश चन्द नैहचैनिया और सतवीर चौधरी

**मदत करबे बारे:-**

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी और कविता योगी


## पहेली

1. छोटै सौ कारौ घर, पर चलै इधर उधर।
उत्तर- छाता।

2.दाने- दाने गिनती जाती, दादी अम्मा रोज फिराती।
उत्तर- माला।

## राजस्थान सोलर पम्प कृषि कनेक्सन योजना।

राजस्थान सरकार नै किसानन काजैं सोलर पम्प की योजना चलाई है। ताकि किसान खेती में आगे बढ़ सकें। या योजना को लाभ लैबे काजें किसानन्नै औनलाइन रजिस्टरेसन करवानौ है। या योजना को मुख्य उद्देस्य किसानन कूं उचित बिजली मुहैया करवानौ है। या योजना को सबते जादा फादा ई है कि किसानन्नै बिजली कौ बिल ना दैनौ परैगौ।

**राजस्थान सोलर पम्प कृषि कनेक्सन आवेदन कैसे करें**

1 सोलर पम्प कृषि कनेक्सन योजना में पंजीकरन काजैं विकल्प पत्र आवेदन कर सकेगें।

2 आप औनलाइन बेबसाइट के द्वारा भी आवेदन भर सकेगें।

3 योजना में पंजीकरन काजैं सामान्य कृषि कनेक्सन आवेदक विद्युत विद्धुत निगम ते सम्बन्धित सहायक अभियन्ता दफतर में रूपईया 1000 जमा कराकें आवेदन कर सकें।

4 योजना में आवेदन करबे के बाद कृषि कनेक्सन आवेदक की सौर उर्जा पम्प सेट लगबे तक मूल प्राथमिकता निगम कार्यलय में ज्यों की त्यों रहेगीं।

5 योजना में सरकार द्वारा 60 पिरतीसत रासि दई जावेगी और 40 पिरतीसत रासि आवेदक को दैनी होगी।

6 सौर ऊर्जा पम्म सैटन कौ रख-रखाव 7 बरस तक मुफ्त बीमा बनाबे बारी कम्पनी के द्वारा कियौ जाबैगौ, जिसके लिये कम्पनी द्वारा कौल सैन्टर की व्यवस्था की जाबैगी।

7 जिस पर उपभोक्ता अपनी सिकायत दर्ज कराकैं बाकौ तुरन्त समाधान करा सकेंगे।

8 सौर उर्जा पम्प सेटों का 7 बरस तक मुप्त (नि:शुल्क) बीमा बनाबे बारी (आपूर्तिकर्ता/निर्माता) कम्पनी के जरिये कियौ जाबैगौ।

## चुटकला

1.एक बईयर अपने छोरा ते बोली अपने मामा में चपत लगाते हुये तोय सरम ना आई। मम्मी नै अपने छोरा में डाट दई। छोरा बोलौ मम्मी मैंनै तौ चपत ही लगाई है। भगवान किरस्नैं तौ अपनौ मामा जान तेई मार डारौ।

2.एक भिखारी नै दरबज्जे पै आकैं अवाज लगाई-दाता के नाम पै रोटी दैदो। भीतर ते अवाज आई-मम्मी घर पै नाय। यापै बिखारी बोलौ-मैं रोटी मांग रंऊ,तुम्हारी मम्मी नाय।

## कहानी

**अपनौ- अपनौ भाग्य**

एक किसान हौ। बाके ढिंग एक बकरा और दो बैले ऐ। बैलन्नै ऊ जोतबे के काम में लैबैऔ। दोनूं बैल खूब करीं मैहनत करकैं खेतन की जुताई करते। बकरा काजैं कोई काम नाऔ। बू इत-बितकूं दिनभर हरी-भरी घास चरतौ रहतौ। खा पीकै मोटौ तगडौ हैगौ। या देखकैं बैल अपने मन में सोचैये कि या बकरे के मजे हैं। कछू करै ना दरै सारे दिना मजै लैबै। इधर कूं बकरा बैलन की सोचैऔ कै ये बेचारे सारे दिन हर में जुते रहमै। और मालिक है काय इनकी ओर पूरी तरै ध्यान ना दैबैऔ। जाते उनकौ कछू भलौ हैबै। एक दिना दोनूं बैल खेत जोतबे में काफी मैहनत करनी पर रई। वे दोनूं हांप रे। यह देखकैं बकरा मूरखपने सुर में बोलौ- भाईयो, तुम दोनून्नै करीं मैहनत करते देखकैं मोय भौत दुख हैबै। पर करौ काह जाबै ई तौ भागन कौ खेल है। मोय देखौ मेरे ढिंग दिन भर चरबे के अलाबा कोई काम नाय। किसान की बईयर खुद खेतन में जाबै और मेरे काजैं हरी पत्ती और घास लैकैं आबै। तुम दोनूं तौ मोते जलन करते हुंगे। दोनूं बैल चुपचाप बकरा की बात सुनते रहे। जब वे साम कूं खेतन पै ते काम करकैं घर कूं लौट आये तौ उन्नै देखौ कि किसान की बईयर कोई कमाई ते धन लैकैं बाय बू बेच रईयै। दोनूं बैलन की आंखन में आंसू भर आये। बेचारे वे कर भी काह सकैं। उनमें ते एक धीमे स्वर में बोलौ- आह तेरे भाग में यही लिखौ।

## दोहा-

**1.राजपाट धन पायके, क्यों करता अभिमान।**
**पडोसी की जो दसा, सो अपनी जान ॥**

अर्थ :- राज पाट सुख सम्पत्ती पाकर तू क्यों अभिमान करता है। मोहरूपी यह अभिमान झूठा और दारूण दुःख देणे वाला है। तेरे पडोसी जो दशा हुई वही तेरी भी दशा होगी अर्थात् मृत्यु अटल सत्य है। एक दिन तुम्हें भी मरना है फिर अभिमान कैसा।

**2 . पढ़ पढ़ के पत्थर भये, लिख भये जुईट।**
**कबीर अन्तर पिरेम का लागी नेक न छींट॥**

अर्थ :- कबीर जी ज्ञान का सन्देश देते हुए कहते हैं कि बहुत अधिक पढकर लोक पत्थर के समान और लिख लिखकर ईंट के समान अति कठोर हो जाते हैं। उनके हृदय में प्रेम की छींट भी नहीं लगी अर्थात् 'प्रेम' शब्द का अभिप्राय ही न जान सके जिस कारण वे सच्चे मनुष्य न बन सके।

## भजन

टेक- कान्हा मोय पियर ते लै आयौ मीठौ बोल-बोल कैं

1.कान्हा मोय ऐसौ टीकौ लईयौ तखरी में तोल-तोल कैं
राधा सौनौ हैगौ तेज सुन लेऔ कान खोल कैं
कान्हा मरुंगी जैहर विस खाय कटोरी में घोर-घोर कैं
कान्हा मोय पियर ते लै आयौ मीठौ बोल-बोल कैं

2.कान्हा मोय ऐसौ कुन्डल लईयौ तखरी में तोल-तोल कैं
राधा सौनौ हैगौ तेज सुन लेऔ कान खोल कैं
कान्हा मरुंगी जैहर विस खाय कटोरी में घोर-घोर कैं
कान्हा मोय पियर ते लै आयौ मीठौ बोल-बोल कैं लइयौ

3.कान्हा मोय ऐसी नथली लईयौ तखरी में तोल-तोल कैं
राधा सौनौ हैगौ तेज सुन लेऔ कान खोल कैं
कान्हा मरुंगी जैहर विस खाय कटोरी में घोर-घोर कैं
कान्हा मोय पियर ते लै आयौ मीठौ बोल-बोल कैं

4. कान्हा मोय ऐसी अंगूठी लईयौ तखरी में तोल-तोल कैं
राधा सौनौ हैगौ तेज सुन लेऔ कान खोल कैं
कान्हा मरुंगी जैहर विस खाय कटोरी में घोर-घोर कैं
कान्हा मोय पियर ते लै आयौ मीठौ बोल-बोल कैं।

## कहावत

1. राजा करै तौ लीला, छोटे करैं तौ चोरी।

अर्थ- जब राजा चोरी करैऔ तो उसकी कोई कुछ भी नहीं कहता था। क्योंकि वाकि चलती थी और जब छोटो कोई काम करै तौ चोरी कहलाती है।

2. मूरख समझायौ समझौ नहीं पढगौ च्यारों वेद, जब सुद आई कुटम की रयौ ढेड की ढेड।

अर्थ- जब मूर्ख समझाया तो समझा नहीं जब याद आई कुटम्ब की जब पढ रहा था वेद।

## मुहावरा

1. चूनौ लगा दियौ। अर्थ- धोखा देकर ठगना।
2. चमका दियौ। अर्थ- शोभा बढाना।

सम्पर्क
निर्माण सोसायटी
सहारई रोड़, ब्लू बर्ड स्कूल के पास,
डीग, भरतपुर, राजस्थान- 321203
Ph.-05641- 224424, 9587593455
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in